आओ चलें सम्पूरणता की ओर

❍ 28 / 11 / 14 की मुरली से चार्ट ❍

⇛ TOTAL MARKS:- 100 ⇚

✺ शिवभगवानुवाच :-

➳ _ ➳ रोज रात को सोने से पहले बापदादा को पोतामेल सच्ची दिल का दे दिया तो धरमराजपुरी में जाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी ।

∬1∬ स्वमान का अभ्यास (Marks:-10)

➢➢ **मैं बेहद का सेवाधारी हूँ ।**

∬2∬ गुण / धारणा पर अटेंशन (Marks:-10)

➢➢ **कोई भी सेवा करते बेहद की वृति द्वारा वाइब्रेशन फैलाना**

∬3∬ बाबा से संबंध का अनुभव(Marks:-10)

➢➢ **टीचर**

∫∫4∫∫ होमवर्क (Marks:- 7*5=35)

‖✓‖ आज पूरा दिन °ज्ञान का चिंतन° करते रहे ?

‖✓‖ स्वयं को °स्वयं ही चेंज° करने पर अटेंशन रहा ?

‖✓‖ ज्ञान के °अस्त्र-शस्त्र के श्रृंगार° से शिव शक्ति बनकर रहे ?

‖✓‖ °बाप और दादा° दोनों को याद किया ?

‖✓‖ हर संकल्प, हर सेकंड °श्रेष्ठ वाइब्रेशन° फ़ैलाने की सेवा की ?

‖✗‖ °अल्पकाल के सुख° के पीछे तो नहीं गए ?

‖✗‖ "इतना °बिजी रहते हैं°.. टाइम ही नहीं मिलता" - ऐसे संकलप या बोल तो नहीं बोले ?

✺ अव्यक्त बापदादा (05/11/2014) :-

➳ _ ➳ बापदादा आज आप सबको चैतन्य दीपक के रूप में ही देख रहे हैं और हर एक के प्रति वाह वाह निकल रहा है । सभी खुश हैं! खुश हैं? हाथ उठाओ । वाह! खुशी तो आपकी अपनी चीज है, खुशी कोई और चीज नहीं, अपनी चीज है वह अपने में लाओ बस और क्या करना है! अच्छा ।

∫∫5∫∫ विशेष अभ्यास (Marks:-15)

➢➢ "°ख़ुशी तो मेरी अपनी चीज़ है°" - आज पूरा दिन यह स्मृति में रहा और खुश रहे ?

∬6∬ ज्ञान मंथन (वरदान) (Marks:-10)

>>> कोई भी सेवा करते बेहद की वृति द्वारा वाइब्रेशन फैलाने के लिए किस पुरुषार्थ पर ध्यान देना आवश्यक है ?

❋ सेवा करते स्वयं को आत्मिक स्वरुप में स्थित कर बेहद के बाप की याद में रह निमित भाव से कर्म करें ।

❋ गोडली सर्वेंट के नशे में रहे ।

❋ बीच बीच में ट्रैफिक कण्ट्रोल के समय या अलग से 2-2 मिनट निकालकर वातावरण में सकारात्मक तरंगे फैलाएं ।

❋ में पन के भान से दूर रहे-मैं कर रहा हु,मैंने किया,में ही कर सकता हु..।

❋ हम विश्व कल्याणकारी बाप के बच्चे है,विश्व के सेवाधारी।

❋ कोई भी सेवा शुरू करने से पहले बाबा का आव्हान करे,उन्हें अपना साथी बनाकर सेवा शुरू करे।

❋ अहो!हमारा भाग्य जो भगवान के कार्य में साथी बन सके।

❋ करनकरावनहार बाप करवा रहा है,स्वयं को सम्पूर्ण बलिहार कर दें ।

∬7∬ ज्ञान मंथन (स्लोगन) (Marks:-10)

➢➢ ज्ञान के अस्त्र-शस्त्र का श्रृंगार हमें किस तरह से शिव शक्ति बना देता है?

❋ पवित्रता के ज्ञान की खडग से विकारों का गला काट कर शिव शक्ति काली का रूप बन जाता है।

❋ आत्मिक ज्ञान की तलवार से विषय विकारो से दूर रह वैष्णो देवी बनाते है।

❋ ड्रामा के ज्ञान से सुदर्शन चक्र धारण कर मन में उठने वाले अशुभ संकल्पों को ख़त्म कर सर्व को शुभ भावनाओं का दान दे मनसा देवी बनाते है।

❋ दिव्या गुणों की धारणा से आसुरी वृतियों को खत्म कर दुर्गा बनाते है।

❋ ज्ञान मनन चिंतन से भविष्य की चिन्ता से मुक्त हो चिंतपूर्णी शक्ति बन जाते है।

⊙_⊙ आप सभी बाबा के प्यारे प्यारे बच्चों से अनुरोध है की रात्रि में सोने से पहले बाबा को आज की मुरली से मिले होमवर्क के हर पॉइंट के मार्क्स ज़रूर दें ।

♔ ॐ शांति ♔